

This question paper contains 10 printed pages.]

Your Roll No. ....

5417

A

**B.A. Programme/III**

**(Application Course)**

**TRANSLATION AND INTERPRETING**

English/Hindi

(Admissions of 2004 and onwards)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 50

(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)

Note : Answers may be written either in English or in  
Hindi; but the same medium should be used  
throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में  
दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **All** questions as indicated.

**सभी प्रश्न निर्देशानुसार हल कीजिए।**

1. Answer the following question in approximately **250**  
words : 10

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **250** शब्दों में दीजिए :

Explain the nature of translation. Comment how the need  
for translation is on the rise in this present age of  
Globalization.

अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए लिखिए कि भूमण्डलीकरण के  
इस दौर में किन-किन क्षेत्रों में अनुवाद की आवश्यकता बढ़ रही है  
और क्यों?

[P. T. O.]

*Or* (अथवा)

Which qualities are required to be an ideal translator?  
श्रेष्ठ एवं आदर्श अनुवादक बनने के लिए किस प्रकार के गुण अपेक्षित  
हैं? स्पष्ट कीजिए।

*Or* (अथवा)

Express your views on the creative role and relevance  
of translation in a multilingual and multicultural country  
like India.

बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक राष्ट्र भारत में अनुवाद की सर्जनात्मक भूमिका  
एवं प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

*Or* (अथवा)

Analyze the two translated versions of the English  
passage given below and discuss which one is better  
and why?

दिए गए अनुच्छेद के दो भिन्न-भिन्न अनुवादों की समीक्षा करते हुए  
बताइए कि कौनसा अनुवाद बेहतर है और क्यों?

ORIGINAL

The child becomes interested in the outer world and wants  
to hear of other people and other lands. He wishes to  
get the things he sees and handles. His own self and  
his own plans no longer satisfy him, he is curious to  
hear of the lives of others - their fears, hopes, discoveries  
and sorrows. He now becomes larger to read everything  
and so great is his desire that dry ponderous times will  
be religiously read if no others are available.

**Translation A (अनुवाद 'क')**

बच्चा बाह्य जगत् की ओर रुचि रखने लगता है और अन्य लोगों तथा अन्य स्थानों के बारे में सुनना चाहता है। वह जिन चीजों को देखता व प्रयोग में लाता है, उन्हें प्राप्त करना चाहता है। उसका अपना निज और अपनी योजनाएं उसे अधिक समय तक संतुष्ट नहीं करतीं, वह दूसरों की जिन्दगी के बारे में सुनने का जिज्ञासु रहता है—उनके भय, आशाएं, खोजें और पीड़ाएं। वह अब उत्सुक हो जाता है हर चीज पढ़ने के लिए और बहुत महान् होती है उसकी यह इच्छा कि शुष्क भारी भरकम ग्रंथ भी धार्मिकता से पढ़े जाएंगे यदि और कोई उपलब्ध न हो।

**Translation B (अनुवाद 'ख')**

बच्चे की रुचि बाह्य जगत् की ओर होती है। वह अन्य लोगों और अन्य स्थानों के बारे में जानने को उत्सुक रहता है। वह नित्य प्रति दिखाई देने या व्यवहार में आने वाली वस्तुओं को प्राप्त करना चाहता है। उसका अपना व्यक्तित्व एवं अपनी योजनाएँ अधिक समय तक उसे संतुष्ट नहीं कर पातीं, वह तो अन्य लोगों के जीवन—उनके भय, उनकी आशाओं, खोजों और वेदनाओं के बारे में जानने को उत्सुक रहता है। वह ऐसी हर पुस्तक को पढ़ लेना चाहता है, जिसे वह पढ़ सकता है। उसकी यह आकांक्षा इतनी प्रबल होती है कि अन्य उपयुक्त पुस्तकों के अभाव में वह शुष्क, भारी-भरकम तथा नीरस ग्रंथों को भी बड़ी निष्ठा से पढ़ डालता है।

2. Write short notes on any *two* of the following in approximately **150** words each : 5×2=10

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 150-150 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (i) Process of transliteration

लिप्यंतरण की प्रक्रिया

- (ii) Problems of synonyms in translation  
अनुवाद में पर्याय-निर्धारण संबंधी समस्याएं
- (iii) Conceptual translation and literal translation  
भावानुवाद और शब्दानुवाद
- (iv) Translating advertisements  
विज्ञापन का अनुवाद
- (v) Machine translation in the Indian context.  
मशीनी अनुवाद : भारतीय परिदृश्य।

3. Write short answers to any *five* of the following in approximately **50** words each :  $2 \times 5 = 10$

किन्हीं पाँच प्रश्नों के लगभग पचास-पचास शब्दों में उत्तर दीजिए :

- (i) Uniformity of style in the process of translation.  
अनुवाद प्रक्रिया में शैलीगत समरूपता।
- (ii) Interpreting.  
तत्काल भाषांतरण।
- (iii) Major steps of the process of translation.  
अनुवाद प्रक्रिया के प्रमुख चरण।
- (iv) Textual Analysis.  
पाठ-विश्लेषण।
- (v) Translation of poetry.  
कविता का अनुवाद।

(vi) Officialise and translation.

कार्यालयी अनुवाद।

(vii) Translate and explain – 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया'।

'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' का अंग्रेजी अनुवाद करते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(viii) Translate and explain—'The Apple of one's eye'.

'The Apple of one's eye' का हिन्दी अनुवाद करते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ix) Translate 'to take to heart' or 'by all means' and use the translated expression in a Hindi sentence.

'To take to heart' अथवा 'by all means' का अनुवाद कीजिए तथा अनूदित वाक्यांश को हिन्दी वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(x) Translate in English—'अंजाम देना' or 'करवट लेना' and use the translated expression in a English sentence.

'अंजाम देना' अथवा 'करवट लेना' का अनुवाद कीजिए तथा अनूदित वाक्यांश को अंग्रेजी वाक्य में प्रयोग करें।

4. Translate any *three* of the passages given below from English to Hindi or from Hindi to English choosing at least *one* passage from each Section :  $3 \times 5 = 15$

किन्हीं **तीन** अनुच्छेदों का अंग्रेजी से हिन्दी अथवा हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **एक** अनुच्छेद अनिवार्य है :

#### Section A (अनुभाग एक)

(i) He went on his usual walk down to Nallappa's Grove, crossed the river, went up the opposite bank and away into the fields there; but he caught himself

more than once thinking of the girl. How old was she? Probably fourteen. Might be even fifteen or sixteen. If she was more than fourteen she must be married. There was a touch of despair in this thought. What was the use of thinking of a married girl? It would be very improper. He tried to force his mind to think of other things. He tried to engage it in his favourite subject- his trip to England in the coming year. If he was going to England how was he to dress himself? He had better get used to tie and shoes and coat and hat and knife and fork. He would get a first-class degree in England and come back and marry. What was the use of thinking of a married girl? He tried to analyze why he was thinking of her so much? Chandran was puzzled greatly puzzled by the whole thing.

- (ii) The winter gust made the afternoon even more dull. Lakham lay sleeping in the middle room. He had eaten a lot, drunk a lot, and now snored heavily. Outside in the yard, Rani sat on a small stool, weaving a net hung from a post. Through the open door, she could see Lakham's back. Her gaze stuck there, unmindful of the net she was weaving. Abruptly she got up, went to the kitchen and gulped down a pitcherful of water. She then came noiselessly into the middle room. Stopped near Lakham. Gave him a close look. In the silence that made breathing

audible, Rani's face shrank. Was her gaze searching for something on his back? She shuddered, veins taut. Then she moved away with difficulty, and went to her own room on shaky legs.

Behind the side wall a sterile hen had dug up the earth and sat squawking in a long pitch which reverberated in the afternoon.

- (iii) Nine months married, and neither thought nor desire of fatherhood had been his! That which was, for her, the sum and crown of marriage, was for him a mere side-issue. He was in no hurry for that greatest gift it was her one desire to give. With no Indian husband could it have been so. It was the first time she had compared him thus with one of her own race; had recognized with piercing clearness that on this supreme subject they must needs speak and think in different tongues, spiritually; be their hearts never so close entwined. True, the Hindu sees in his son not merely the torch of life passed on, but the prime factor in that complex transaction, the future welfare of his own soul. Yet even an English husband, for whom wife and son have less of spiritual significance, must surely crave the certainty of an heir to carry on his name; the more so when *there* are broad lands and an ancestral home, that must otherwise go elsewhere—.

## Section B (अनुभाग दो)

- (i) 'इच्छा होती है कह दें, तुम्हें दोस्तों का ख्याल है, उनके बुरा मानने की चिंता है, बस मेरी ही नहीं। पर कुछ कह नहीं पाती, एकटक उसके चेहरे की ओर देखती रहती हूँ ..... उसके साँवले चेहरे पर पसीने की बूँदें चमक रही हैं। कोई और समय होता तो मैंने अपने आँचल से इन्हें पोंछ दिया होता, पर आज नहीं। वह मंद मंद मुस्करा रहा है, उसकी आँखें क्षमा-याचना कर रही हैं। पर मैं क्या करूँ? ..... तभी वह अपनी आदत के अनुसार कुरसी के हथ्थे पर बैठकर मेरे गाल सहलाने लगता है। मुझे उसकी इसी बात पर गुस्सा आता है। हमेशा इसी तरह करेगा और फिर दुनिया-भर का लाड़-दुलार दिखलाएगा। वह जानता जो है कि इसके आगे मेरा क्रोध टिक नहीं पाता ..... फिर उठकर वह फूलदान के पुराने फूल फेंक देता है और नए फूल लगाता है। फूल सजाने में वह कितना कुशल है ! एक बार मैंने यों ही कह दिया था कि मुझे रजनीगंधा के फूल बड़े पसंद हैं, तो उसने नियम ही बना लिया कि हर चौथे दिन ढेर-सारे फूल लाकर मेरे कमरे में लगा देता है। ये फूल जैसे संजय की उपस्थिति का आभास देते रहते हैं।
- (ii) 'क्या तेरे धर्मशास्त्र में यही लिखा था कि तू विधवा बेटों को रंगीन कपड़े पहनने दे? बाल संवारकर जूड़ा बनाकर स्कूल जाने दे? स्वयं कमाकर अपना पेट पालने दे? इन सब बातों के लिए जब तूने मुझसे अनुमति माँगी तो मैंने चुपचाप अनुमति दे दी। जानते हो क्यों? क्योंकि जमाना बदल रहा है। इसके साथ मनुष्य को भी बदलना चाहिए। मेरे पास पुत्र के रूप में एक आधार था, मकान था, जमीन थी। मेरा जमाना भी दूसरा था। आज गीता ने जो काम किया है, उस जमाने में इसकी कल्पना भी कोई नहीं कर सकता था। आज के जमाने में उस जमाने की



तरह जीना सम्भव नहीं है। मैं तेरी परेशानी को भी समझ रही हूँ। तू बाल-बच्चों वाला है। कल तुझे उनका भी विवाह करना होगा। इस बात को मैं भी जानती हूँ और गीता भी। शास्त्र के नियम क्या उसे चैन से जीने देंगे? उसने तो साफ-साफ लिख दिया है कि इन नियमों में उसका कोई विश्वास नहीं है। बेटा गणेश, मुझे माफ कर दे, मुझे तो गीता चाहिए, बस वही चाहिए। मैं चाहती हूँ कि धर्मशास्त्र के नियम मुझ तक ही सीमित रहें, मेरे शरीर के साथ ही जलकर राख हो जायें ..... तुम लोग सुखी रहो। अच्छा तो मैं जा रही हूँ, गीता के पास जा रही हूँ। उसके पुनर्विवाह को समर्थन देना ही मेरे लिए उचित होगा। जमाने के साथ बदलना ही होगा।

- (iii) महादेवी वर्मा की भाषा निबन्धों में विषय के अनुकूल रही है। गम्भीर विषयों का विश्लेषण करते हुए तर्कशील और सामान्य बात करते हुए सरल, सहन और बोधगम्य भाषा का प्रयोग किया गया है। शब्दों का चयन भी सुन्दर बन पड़ा है। विदेशी भाषा के शब्दों का प्रयोग वे कम करती हैं। संस्कृत का मिश्रण सर्वत्र मिलता है। तत्सम शब्दावली बहुत अधिक है। उनके गद्य की भाषा अनेक स्थलों पर काव्यमयी हो गई है। अपने निबंधों में महादेवी जी ने समाज के अति साधारण वर्गों के पात्रों को अपना विषय बनाया है और उनके माध्यम से अपनी आंतरिक भावनाओं का चित्रण किया है। आर्थिक रूप से कमजोर पात्रों को उन्होंने विशेष रूप से लिया है। नारी की पीड़ा को उन्होंने स्वतः अनुभव किया है। विधवाओं, वेश्याओं की मजबूरियों को उन्होंने अत्यंत मनोवैज्ञानिक ढंग से उभारा है। स्पष्ट है कि उनका गद्य समाज केन्द्रित है, आत्म-केन्द्रित नहीं।

5. Give Hindi/English equivalents of any *ten* words/expressions given below taking *five* from each group :  $\frac{1}{2} \times 10 = 5$

किन्हीं दस शब्दों/अभिव्यक्तियों के हिन्दी/अंग्रेजी समतुल्य लिखिए। प्रत्येक भाग से पाँच-पाँच समतुल्य देना अनिवार्य है :

**Group I (भाग I)****Group II (भाग II)**

(i) Hypertension

आयोग

(ii) Anaemia

केन्द्रीकरण

(iii) Epilogue

बीजक

(iv) Bureaucracy

महापौर

(v) Pedagogy

परमाणु

(vi) Insolvency

शोक

(vii) Retirement

भर्ती

(viii) Discrepancy

मानव विज्ञान